लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

Press Note 22 August 2020

University of Lucknow on 22nd August, 2020 hosted an online lecture by Dr. Sudhanshu Trivedi, on the new National Education Policy 2020. Hon'ble Vice Chancellor of the University, Prof. Alok Kumar Rai welcomed the dynamic leader and introduced him to the feats achieved by the University in the past few months, specially during the Corona Crisis that the nation is facing. Dr. Trivedi began his address reminiscing about his time in Lucknow and his connections with this centennial old University. He then went forward with the purpose of his lecture, decoding NEP2020. Dr.Trivedi informed the audience of zoom and the others watching the event live on YouTube that NEP2020 has been devised with the purpose of empowering the largest school going population in the world. He also informed that NEP2020 is the result of a massive drive of consultation and suggestions from the representatives of the entire country including 676 discticts, 6600 blocks and almost 2.5 lakh villages. It's purpose is to motivate better research as well as research orientations. The NEP2020 is designed to take care of the students' personality development, devoid of the fear of passing or failing examinations during the first five years of the 5+3+3+4 model. He said that for the first time, in this first stage, tribal schools, anganvadi schools and other small scale schools will be integrated under one umbrella. In the next stages, the student will hone their skills, be abreast of new techniques developing in the world and develop environmental responsibility and commitment. He also recounted the importance the last stage, the one that ensures that students may achieve a certificate, diploma, or a degree depending on which year they decide to leave their studies.

Dr.Trivedi also spoke of how the NEP2020 removes the existing segmentation between different streams with the introduction of "ample scope of switching over from one stream to another". He also spoke of "gradual autonomy" given to institutions performing better with every year, and standardisation of rules related to recruitment and movement of teachers within institutes. He added that the NEP2020 brings opportunities for high performing Indian institutes to collaboration with top performing Universities of the world.

Talking about tapping the immense resource that an experienced teacher is, Dr. Trivedi pointed out the NEP2020's plan to use retired and outstanding faculty as mentors and guides of new and upcoming universities. Giving the example of Princeton University, Dr. Trivedi said that the new education policy shall work towards the development of an idea bank, where in ideational

output of such scholars can be stored. He also highlighted the NEP2020's focus on developing a sense of pride in one's mother tongue and the importance it gives to regional languages.

In the end, at the request of our Hon'ble VC Prof. Alok Kumar Rai, Dr. Trivedi made an announcement for a generous donation of Rs.50 lakh for a new Institute of Molecular Biology and Infectious Diseases under the Saansad Nidhi allotted to him.

The program was conducted by Dr. Ajai Prakash and Prof. Rajiv Manohar, Director, IQAC delivered the vote of thanks.

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 22 अगस्त, 2020 को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर डॉ सुधांशु त्रिवेदी द्वारा एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने माननीय सांसद महोदय का स्वागत किया और उन्हें लखनऊ विश्वविद्यालय के पिछले कुछ महीनों के कार्यों और कोरोना महामारी के दौरान उठाए गए अकैडमिक, सामाजिक और उन्मेशिक गतिविधियों से अवगत करवाया। डॉ त्रिवेदी ने लखनऊ में अपने समय और एक शताब्दी सम्पन्न इतिहास युक्त इस विश्वविद्यालय के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए अपना संबोधन शुरू किया, और फिर वे आज के कार्यक्रम के उद्देश्य - NEP2020 की डिकोंडींग- करते हुए आगे बढ़े। डॉ त्रिवेदी ने जूम के दर्शकों और इस कार्यक्रम को यूट्यूब पर लाइव देख रहे लोगों को सूचित किया कि भारत मे विश्व मे सबसे ज्यादा जनसंख्या विद्यालयों में अध्ययन-रत है, और NEP2020 इसी आबादी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।उन्होंने यह भी बताया कि एनईपी 2020 पूरे देश के प्रतिनिधियों के परामर्श और सुझावों के एक बड़े पैमाने पर ड्राइव का परिणाम है, जिसमें 676 जिलें, 6600 ब्लॉक और लगभग 2.5 लाख गांव शामिल हैं। इसका उद्देश्य बेहतर शोध के साथ-साथ ग्रास-रूट लेवेल में बछों को अध्ययन मे रुचि के प्रति प्रेरित करना है। NEP2020 का एक मूल्य उद्देश्य छात्रों का व्यक्तित्व विकास है, जो 5 + 3 + 3 + 4 मॉडल के पहले पांच वर्षों के दौरान परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने या असफल होने के डर से रहित है। उन्होंने कहा कि पहली बार, इस पहले चरण में, आदिवासी स्कूलों, आंगनवाड़ी स्कूलों और अन्य छोटे पैमाने के स्कूलों

को एक छत्र के नीचे एकीकृत किया जाएगा। अगले दो (3+3) चरणों में, छात्र अपने कौशल को निखारेंगे, दुनिया में विकसित होने वाली नई तकनीकों और पर्यावरणीय जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का विकास करेंगे। उन्होंने अंतिम चरण के महत्व के बारे में भी बात की और कहा कि यह सुनिश्चित करता है कि छात्र को 'फ्लेक्सिबिलिटी' दी जा रही है कि वह अपनी जीवन और अपने कैरियर की जरूरतों के हिसाब से इस चरण पर एक प्रमाण पत्र, डिप्लोमा या एक डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ त्रिवेदी ने यह भी बताया कि कैसे NEP2020 विभिन्न धाराओं के बीच मौजूदा विभाजन को हटा रहा है और "एक धारा से दूसरी धारा में स्विच करने के स्कोप" को बढ़ा रहा है। उन्होंने हर साल बेहतर प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को "क्रमिक स्वायत्तता" देने की बात कही, और संस्थानों के भीतर शिक्षकों की भर्ती से संबंधित नियमों का मानकीकरण को भी एनईपी2020 का भाग बताया। उन्होंने कहा कि NEP2020 दुनिया के सबसे अच्छे विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम करने का भारत के विश्वविद्यालयों के लिए अवसर लाता है।

डॉ त्रिवेदी ने सेवानिवृत्त और अनुभवी शिक्षकों को नए और उभरते शिक्षा संस्थानों के मार्गदर्शक के रूप में कार्यरत करने की योजना की ओर इशारा करते हुए कहा कि प्रिंसटन विश्वविद्यालय की तरह नई शिक्षा नीति एक "आइडिया बैंक" के विकास की दिशा में काम करेगी, जहां ऐसे विद्वानों के आदर्श उत्पादन को संग्रहीत किया जा सकेगा। उन्होंने NEP2020 के भारत की अनेकों मातृभाषाओं के वक्ताओं में इनके प्रति गर्व की भावना विकसित करने और क्षेत्रीय भाषाओं को दिए जाने वाले महत्व पर भी प्रकाश डाला।

अंत में, माननीय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के अनुरोध पर, डॉ त्रिवेदी ने सांसद निधि के तहत एक नए संस्थान 'इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मोलेकूलर गेनेटिक्स एंड इन्फेक्षीयस डिसिजेस' के लैब के लिए 50 लाख रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ। अजय प्रकाश ने किया और प्रो राजीव मनोहर, निदेशक, IQAC ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।